आईटीएस अधिकारियों की खातिर बीएसएनएल पर प्रदर्शन

अजमेर; (रोहिताश गुर्जर): भारत संचार निगम लिमिटेड में डेप्युटेशन पर कार्यरत आईटीएस अधिकारियों को अपने मूल विभाग में भेजने के लिए कर्मचारी संघ ने बीएसएनएल पर प्रदर्शन किया। कर्मचारी एवं अधिकारी संयुक्त संघर्ष समिति के सचिव बीएस नरुका ने बताय कि भारत संचार निगम में कार्यरत ऐसे आईटीएस अधिकारी जिन्होंने बीएसएनएल में कार्य करने का विकल्प नहीं दे रखा है, को उनके मूल विभाग में वापस भेजने की अपनी एक सूत्री मांग को शीघ्र पूरा करने के लिए महाप्रबंधक कार्यालय पर सामूहिक विरोध प्रदर्शन किया। मांग नहीं माने जाने तक अपने मुख्यालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार विरोध प्रदर्शन जारी रखा जाएगा।

नरुका ने बताया कि यह विरोध प्रदर्शन बीएसएनएल में पिछले 12 वर्षों से डेप्यूटेशन पर कार्यरत आईटीएस अधिकारी जोकि बीएसएनएल में समायोजित नहीं होना चाहते, को मूल विभाग में वापिस भेजने की मांग को लेकर किया गया। इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने स्पष्ट निर्णय [illegible] भी विभाग में किसी भी अधिकारी [illegible] वर्ष से अधिक समय के लिए डेप्यूटेशन पर नहीं रखा जाना चाहिए। उच्च न्यायालय ने मैनेजमेंट की अपील पर 30 सितम्बर तक सभी आईटीएस अधिकारियों जो बीएसएनएल में समायोजित नहीं होना चाहते, को मूल विभाग में भेजने का आदेश दिया। लेकिन मैनेजमेंट उच्च न्यायालय के इस निर्ण को लागू करने में टालमटोल कर येन केन प्रकारेण बीएसएनएल पर थोप रखना चाहते हैं। प्रदर्शनकारियों में जीएस छाबड़ा, पीआर नोगिया, बीएस नरुका आदि मौजूद थे।

आईटीएस अधिकारियों को अपने मूल विभाग में भेजने के लिए प्रदर्शन करते कर्मचारी।